कार्यालय : प्राचार्य, एस.एस.जे. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, स्याल्दे, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
E-mail –principalsyalde@gmail.com
Contact – 05966-247591

"G-20 आख्या :: उपलब्धियॉ एवं चुनौतियॉ व्याख्यान श्रृंखला''

एस.एस.जे. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, स्याल्दे, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाधान मे "G-20 आख्या :: उपलब्धियॉ एवं चुनौतियॉ'' विषय पर व्याख्यान श्रृंखला दिनांकः 21 मार्च से 25 मार्च, 2023 तक प्राध्यापकों/विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर पावर पाइंट प्रजेनटेशन के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किये। व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ दिनांकः 21 मार्च, 2023 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 डी0सी0पन्त के द्वारा किया गया। डा0 पन्त, ने अपने सम्बोधन में भारत को वर्ष–2023 में G-20 की अध्यक्षता करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे गौरव की बात बताया गया।

व्याख्यान श्रृंखला की विस्तृत आख्या निम्न रुप में प्रस्तुत है।

1– G-20: चुनौतियॉ एवं उपलब्धियॉ::–डा0 आभा अग्रवाल, प्रोफेसर– अर्थशास्त्र

कार्यक्रम की संयोजिका डा0 आभा अग्रवाल द्वारा बताया गया कि G-20 किस प्रकार G-5 से विस्तारित होकर G-20 में रुपान्तरित हुआ। G-20 की कार्यप्रणाली Finance Track, Sherpa Track, and Troka की जानकारी दी। किस प्रकार G-20 का मुख्य उद्देश्य वैश्विक वित्तीय स्थिरता को प्राप्त करना तथा समावेशी विकास को त्वरित करना है। G-20 से अपेक्षा की गयी कि अपेक्षाकृत पिछड़े प्रदेशों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सृजनात्मक निवेश के माध्यम से पूर्ति पक्षीय अन्तराल को समाप्त किया जाए। G-20 देशों के सहयोग से उच्च –शिक्षा निवेश को अति प्रभावी व गत्यात्मक बनाया जा सकता है।

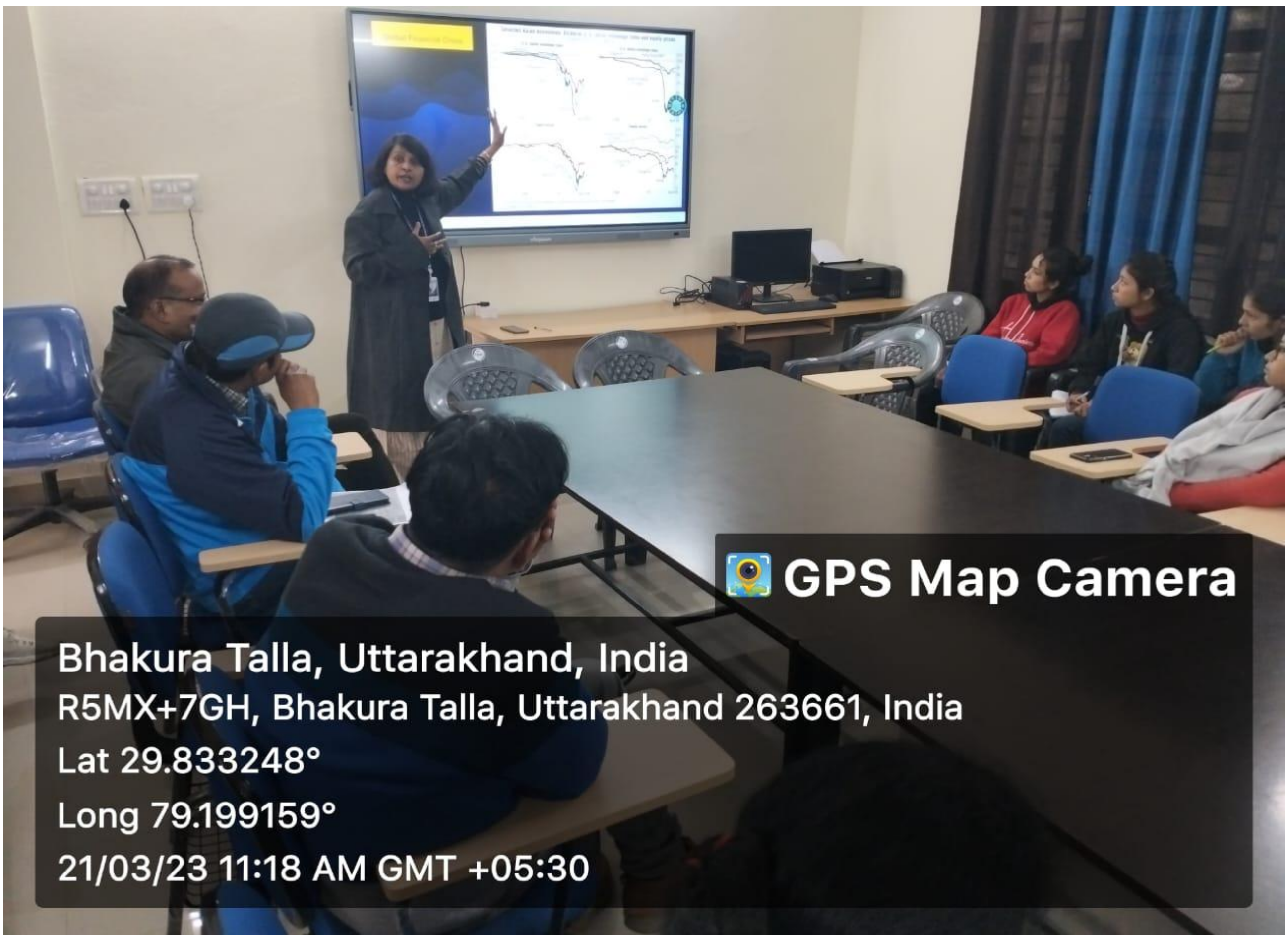

2— उच्च शिक्षा में सूचना व संचार प्रौद्यौगिकी का प्रयोग::—डा0 तारा भट्ट, सहायक प्राध्यापक—भौतिकी

डा0 तारा भट्ट द्वारा दिनांकः 25.03.2023 को ''उच्च शिक्षा में सूचना व संचार प्रौद्यौगिकी का प्रयोग'' पर व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में विस्तार पूर्वक बताया गया की कोविड—19 के समय से उच्च शिक्षा में कम्प्यूटर के प्रयोग से किय तरह बच्चों को व्याख्यान, उनकी असाइंमैन्टेस, उनकी उपस्थिति, परीक्षाओं की व परीक्षाफल की जानकारी प्रभावित तरीके से दी गई। वेबीनार, इन्टरव्यू इत्यादि सभी गूगल मीट, वेबेक्स, गूगल क्लास रुम के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये। सरकार द्वारा गरीब बच्चों के लिए कई कार्यक्रम जैसे Mooc's, SWAVAM, E-Skill India इत्यादि निःशुल्क शुरु किए गए जिनमें किसी भी विषय पर प्रमाण प्रत्र कोर्स किए जा सकते है। G-20 में डिजीटल इण्डिया नाम से सभी देशों की 13—15 फरवरी को एक बैठक हुई जिसमें सभी ने एक दूसरे को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने में मदद व जो भी परेशानिया है उन्हे हल करने की बात कही।

3– जलवायु परिवर्तन और हिमालयी पर्यावरण–डा0 रीमा प्रियदर्शी, सहायक प्राध्यापक– रसायन विज्ञान

G-20 और भारतः चुनौतियॉ और अवसर'' व्याख्यान श्रंखला में डा0 रीमा प्रियदर्शी द्वारा'' जलवायु परिवर्तन और हिमालयी पर्यावरण'' शीर्षक पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान की शुरुवात G-20 का लोगो द्वारा की गयी, जिसे डा0 रीमा ने पर्यावरण व भारत के राष्ट्रीय ध्यज से जोड़कर विस्तार से बताया। इस व्याख्यान में उन्होने भारत द्वारा की जा रही G-20की अध्यक्षता व भारत के G-20 के मुख्य उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी , तत्पश्चात जलवायु व पर्यावरण के बारे में ''Green House Effect" (हरितग्रह प्रभाव) द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। उन्होने बताया कि मनुष्य के अनावश्यक विकास रुपी दोहन के कारण हिमालयी पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। जिससे विभिन्न प्रकार की आपदायें जन्म ले रही है। व्याख्यान के अंत में उन्होने प्र्यावरण को बचाने के लिये सुक्षावों पर चर्चा की।

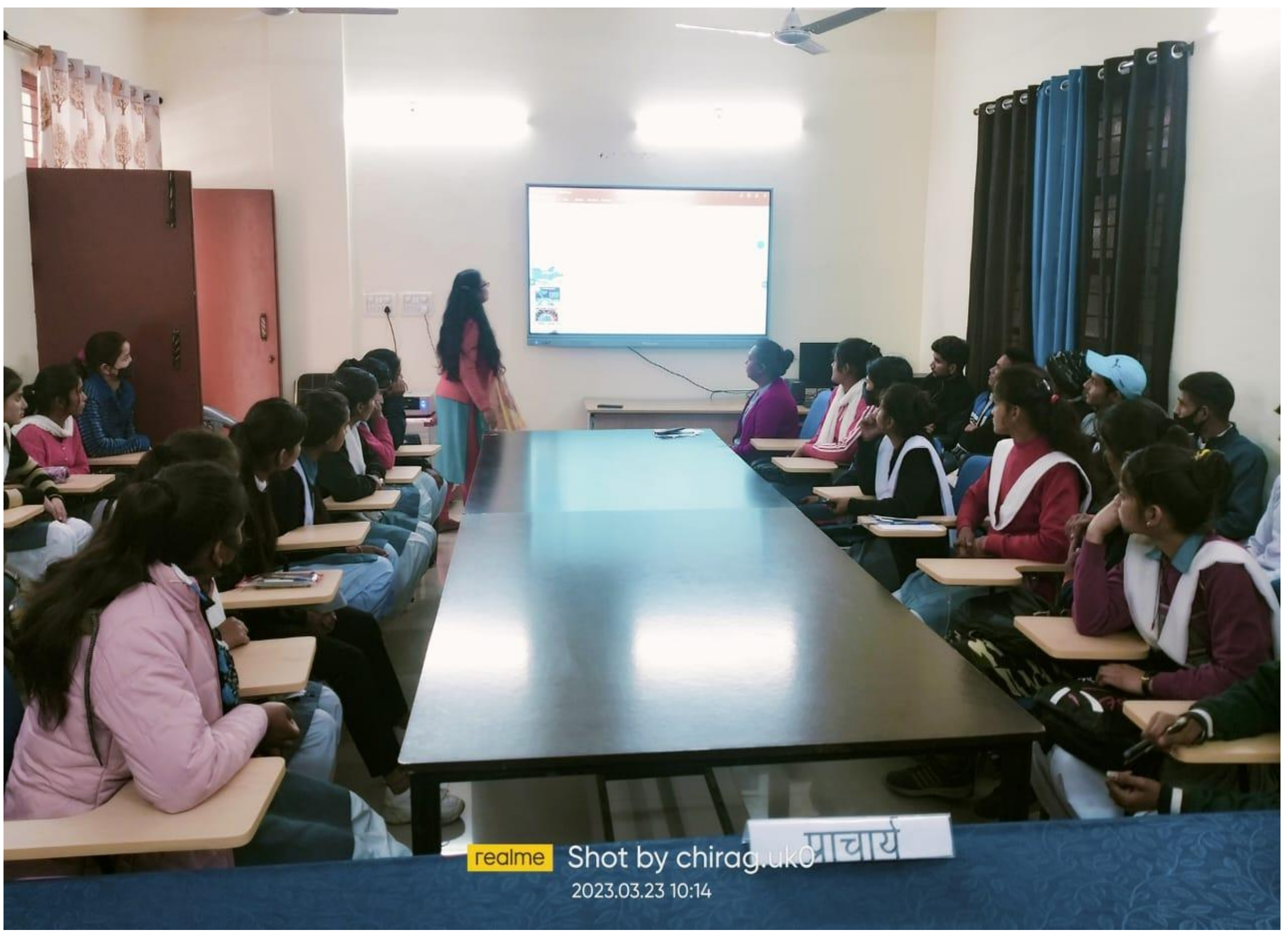

4– One Earth, One Family, One Nation::–

डा0 निशा, सहायक प्राध्यापकः–वनस्पति विज्ञान

G-20 ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य् '' वसुधैव कुटुम्बकम' थीम के अन्तर्गत भारत के जिए गौरवशाली विषय है। G-20 अध्यक्षता के माध्यम से विश्व बधुत्व की भावना परिलक्षित हो रही है, जिसमें सबके विकास और सबका कल्याण, पर्यावरण के साथ वैश्विक प्रगति की परिकल्पना करते है इस पृथ्वी पर यह हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है।

<u>5– Artificial Intaligence(कृत्रिम बुद्धिमत्ता)::-डा0 मोनू बाला, सहायक प्राध्यापकः– जन्तु विज्ञान</u>

Artificial Intaligence बारे मे व्याख्यान दिया, जिसमें Artificial Intaligence की ऐतिहासिक पृष्टभूमि से लेकर आज तक की Artificial Intaligence की उपलब्धियों के बारे में बताया गया। जिसमें कि Artificial Intaligence विशेष उपलब्धियॉ रोबोटिक्स, वित्त, शिक्षा, स्वास्थय सेवा, चेटबोट के क्षेत्र में बतायी गयी है। नवम्बर में रीलीज हुए ओपन एआई चैट जीपी0टी0 और Artificial Intaligence की भूमिका विभिन्न क्षेत्रों को कैसे प्रभावित कर रही है ये जानकारी दी गयी।

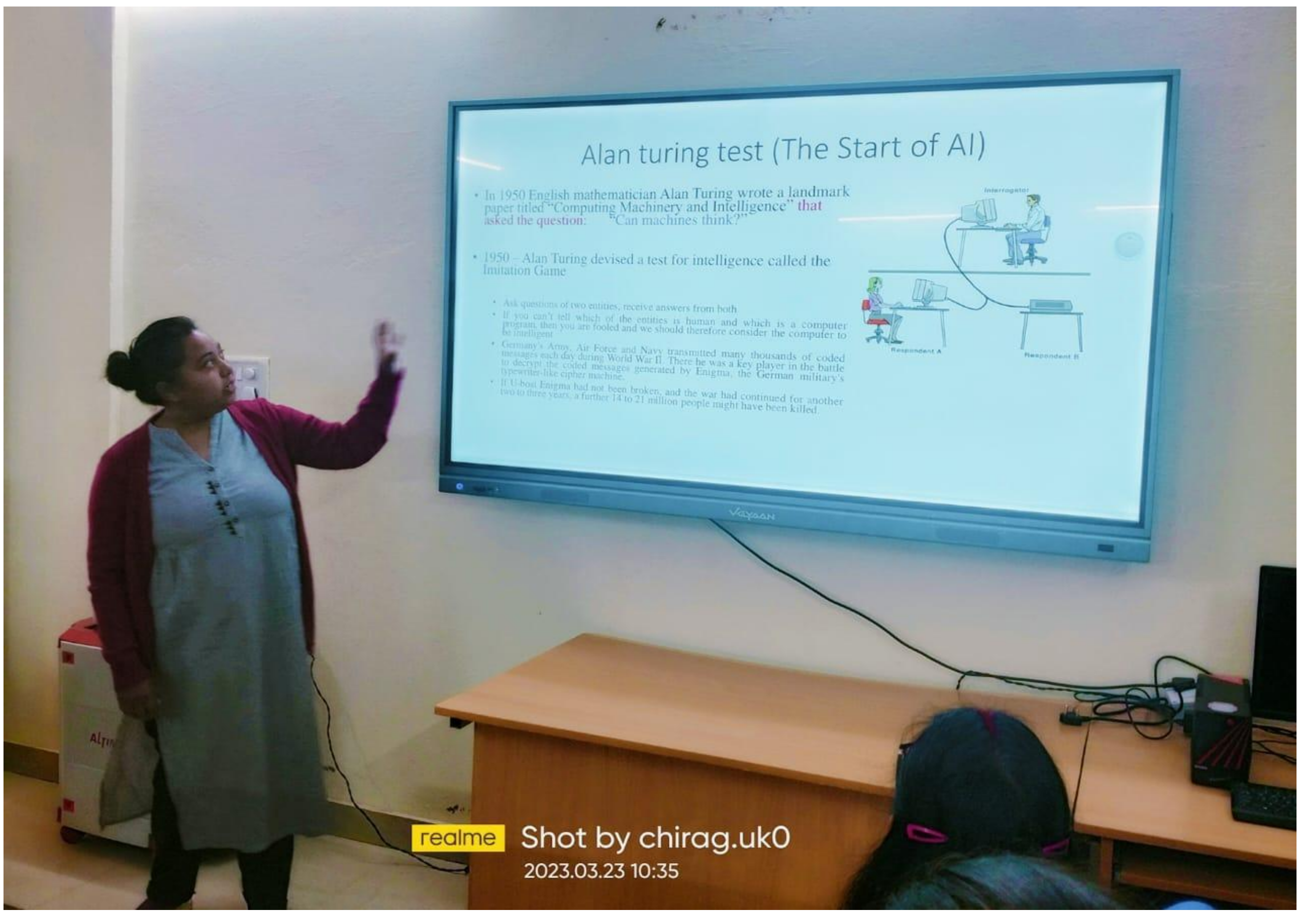

6– Women Empowerment (महिला सशक्तीकरण)::डा0 ममता गौड़, सहायक प्राध्यापक– राजनीति विज्ञान

G-20 चुनौतियॉ एवं सम्भावना महिला सशक्तीकरण इस विषय पर सुंयक्त राष्ट्र द्वारा 2015 में सतत विकास के 17 मानकों के अर्न्तगत लैंगिग समानता के लक्ष्य को पूरा करने हेतु G-20 देशों द्वारा किए जाने वाले अपने प्रयासों के अर्न्तगत भारत द्वारा 2023 में अध्यक्षता किए जाने के परिप्रेक्ष्य में भारत में महिला सशक्तीकरण हेतु किये गये प्रयासों, उपलब्धियों एवं चुनौतियों का उल्लेख करते हुए भारतीय संविधान में महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु प्रावधानों और वर्तमान में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला गया। भविष्य में महिला सशक्तीकरण हेतु आवश्यक समान नागरिक संहिता के महत्व को भी इंगित किया गया।

7– आत्मनिर्भर भारत::– डा0 जगदीश चन्द्र, सहायक प्राध्यापकः– हिन्दी

आत्मनिर्भर भारत का नारा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी द्वारा कोविड काल के दौरान दिया गया देश की आर्थिक विकास योजनाओं के सम्बन्ध में इस नारे को लोकप्रिय बनाया गया। आत्मनिर्भर भारत एक सतत् प्रगतिशील प्रक्रिया है, भारत की आजादी के आन्दोलन के दौरान भी महात्मागॉधी जी ने स्वंय चर्खा कातना शुरु किया। जो कि स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक मजबूत कदम था। स्वंतत्रता प्राप्ति के उपरान्त पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से सतत रुप से आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का लगातार प्रयास किया गया। 1990–91 के दौर में खुली अर्थव्यवस्था का दौर आया। परिणामस्वरुप एल0पी0जी0 यानि लिब्रलाइजेशन (उदारीकरण) प्राइबेटाइजेशन(निजीकरण)तथा ग्लोबलाइजेशन(वैश्वीकरण) की नीति को अपनाया गया। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था का लोहा मानते हुए दिनांकः 01 जनवरी, 1995 को भारत को विश्व व्यापार संगठन(डब्लू0एच0ओ0) का सदस्य बनाया गया। इसके अलावा खेत क्रान्ति, हरित क्यन्ति, नीली क्रान्ति आदि के माध्यम से भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लगाातार प्रयास किया गया।

वर्तमान समय में मेक इन इंण्डिया, मुद्रा योजना प्रधानमंत्री जनधनयोजना जैसी अनेक योजनाऐं संचालित हो रही है, जो कि आत्मनिर्भर भारत के लिए मजबूत कदम है। आज भारत कृषि, व्यापार, उद्योग, अंतरिक्ष आदि क्षेत्रों में अपने कदम मजबूती से आगें बढ़ा रहा है। उम्मीद है जल्द ही भारत आत्मनिर्भर होगा।

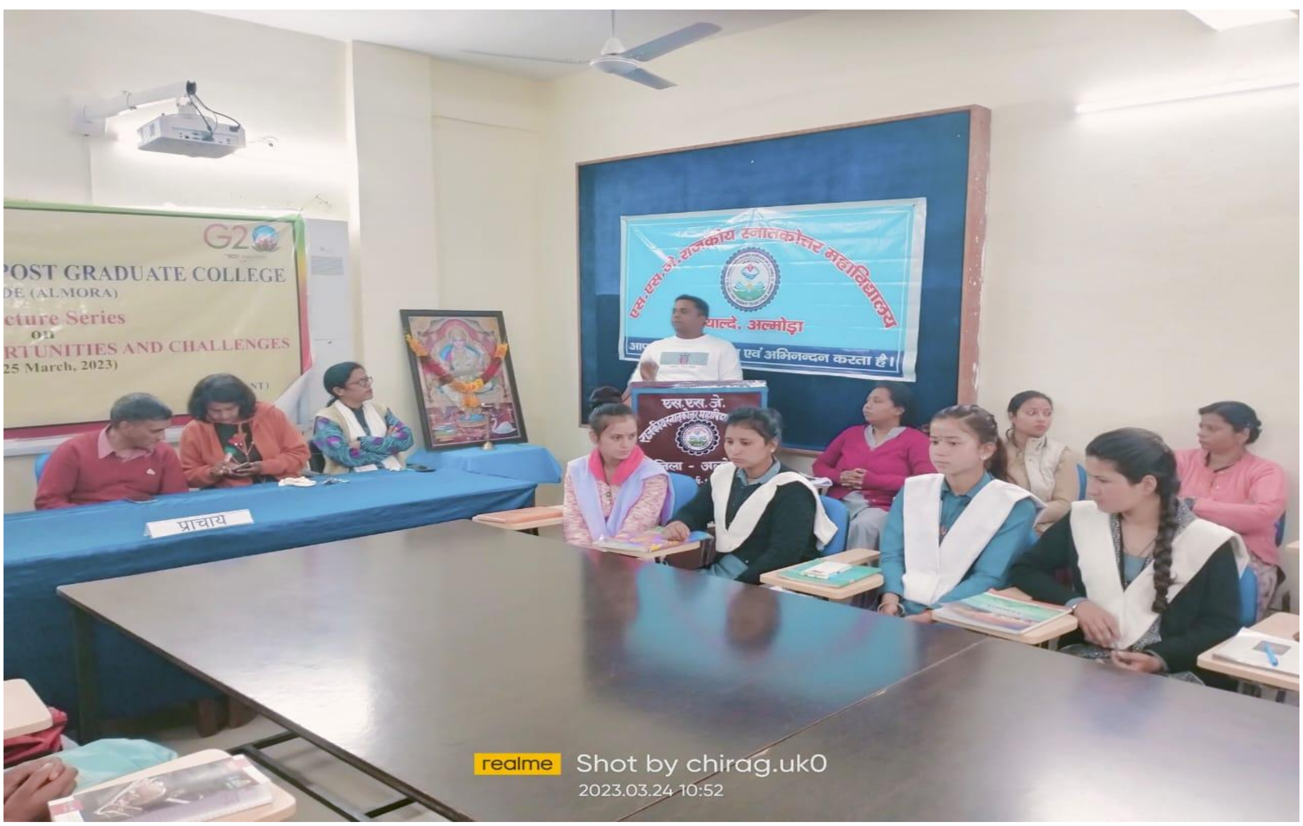

8— दूरस्थ शिक्षा::—डा0 रविकान्त कुमार, नितान्त अस्थायी प्राध्यापकः— समाजशास्त्र

G-20 व्याख्यान श्रंखला के प्रथम दिन द्वितीय व्याख्यान डा0 रविकान्त कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक दमरस्थ शिक्षा रहा। इस व्याख्यान में सर्वप्रथम G-20 के सदस्य देशों के बारें मे सक्षिपत जानकारी दी गयी। इसके पश्चात इसके कार्य समूह जो शेरया ट्रैक, वित्तीय ट्रैक एवं सहयोगी समूह के नाम से जाने जाते है के बारे में जानकारी दी गयी । तत्पश्चात शेरया ट्रैक के महत्वपूर्ण कार्य समूह 'शिक्षा' के बारे में जानकारी उपलब्ध कराते हुए उनकी स्थापना के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी है। इस व्याख्यान में शिक्षा के समकालीन महत्व पर प्रकाश डाला गया। दूरस्थ शिक्षा में तकनीकि के बढ़ते प्रयोग एवं शिक्षा के क्षेत्र में G-20 की पहल पर चर्चा करते हुए उनके महत्व सम्बन्धें को स्पष्ट किया गया एवं इनकी समकालीन प्रासंगिगता पर चर्चा की गयी।

कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य डा0 डी0सी0पन्त द्वारा सबके व्याख्यानों की सराहना की गयी तथा प्रत्येक व्याख्यान के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। छात्र/छात्राओं से अपेक्षा की गयी कि वें भविष्य में होने वाले इस प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी अधिक से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करे।

दिनांकः 28 मार्च, 2023 को छात्र/छात्राओं के मध्य G-20 और भारत के अन्तर्गत चित्रकला तथा स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

1– नारे (Slogan) प्रतियोगिता –विषयः– ''जलवायु परिवर्तन आयाम एवं परिणाम''

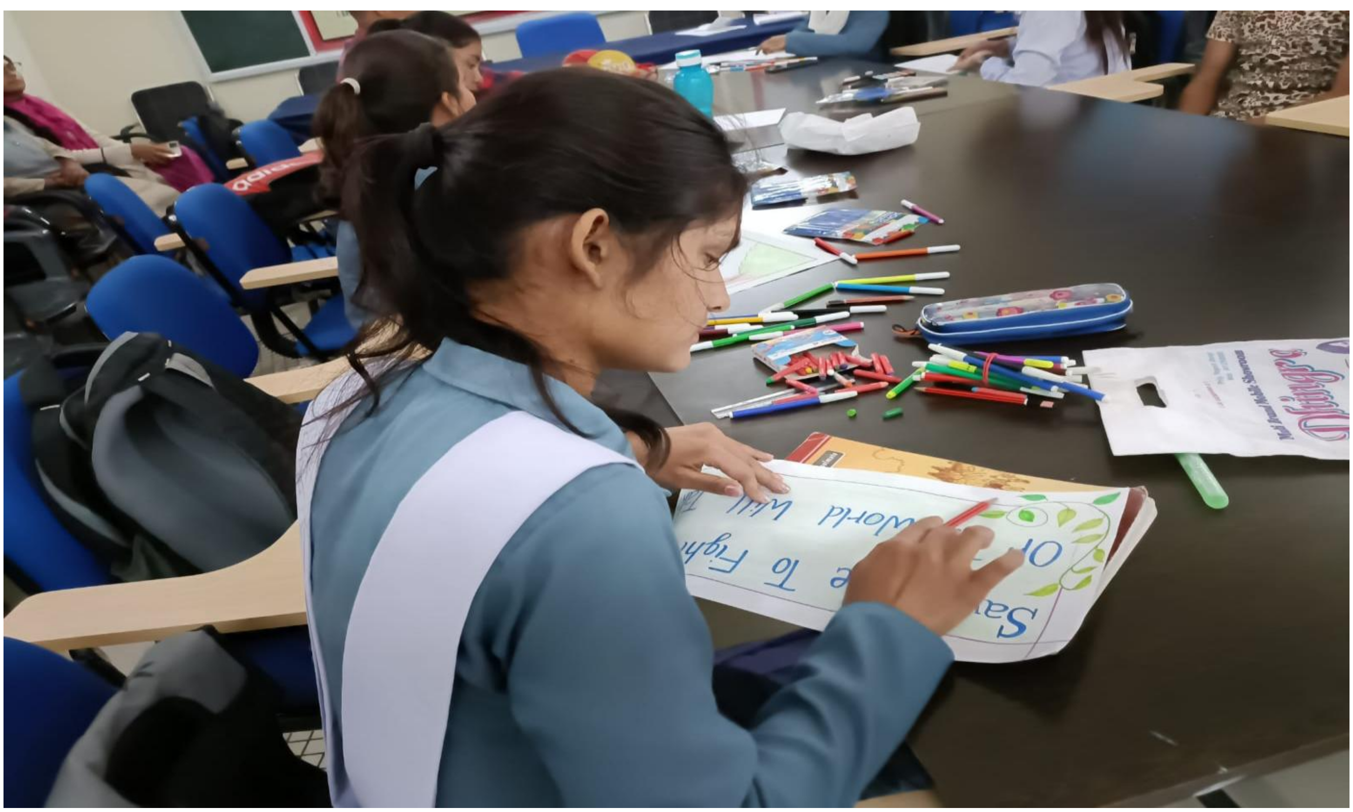

2—चित्रकला प्रतियोगिताः—विषय— ''जैविक कृषि एवं आत्म निर्भरता''

G20
भारत 2023 INDIA
POSTER-COMPETETION (चित्रकला-प्रतियोगिता)

सभागार
(CONFERENCE ROOM)
जैविक भारत
जैविक खेती
Organic Farming